न्यायालय

सहायक कलक्टर / उपखण्ड अधिकारी

गुढामालानी–बाड़मेर

(पीठासीन अधिकारी –केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

प्रार्थना पत्र सं.:–2024 / 475 दर्ज तिथिः–21.10.2024

1. कालू पुत्र चिमना
2. भगवाना पुत्र चिमना
3. मिरगो पत्नी चिमना
4. कालूराम पुत्र भानाराम
5. चैना पुत्र चिमना
6. चम्पादेवी पत्नी कुभाराम
7. पुरखाराम पुत्र कुभाराम
8. भूराराम पुत्र कुभाराम
9. भारूराम पुत्र कुभाराम
10. सोनाराम पुत्र कुभाराम
11. पना पुत्र छोगा
12. लाछी पत्नी छोगा
13. रूपा पुत्र आईदान

जाति जाट निवासी रामजी का गोल फांटा तहसील गुड़ामालानी जिला बाड़मेर

..................प्रार्थी

बनाम

1. केसी पत्नी प्रहलादराम जाति जाट
2. जितेन्द्र कुमार गांधी पुत्र चम्पालाल
3. विजयकुमार पुत्र चम्पालाल
4. सुआदेवी पत्नी चम्पालाल
5. संजय गांधी पुत्र चम्पालाल
6. सुरेशकुमार पुत्र चम्पालाल

जातियान ओसवाल निवासी रामजी का गोल फांटा तहसील गुड़ामालानी

7. कवरा पुत्र घमण्डा
8. मुमो पत्नी घमण्डा जाति जाट
9. खेमी पत्नी उरजाराम जाति जाट

निवासी रामजी का गोल फांटा तहसील गुड़ामालानी

10. आसु पत्नी कुभाराम
11. गोरधन पुत्र कुभाराम
12. चनणाराम पुत्र कुभाराम
13. निम्बाराम पुत्र कुभाराम
14. रिडमल पुत्र कुभाराम

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.06.21 16:47:16 IST
Reason: SelfAttested

15. ठाकरा पुत्र लिछमणा
16. कुभा पुत्र लिछमणा
17. मदरूपा पुत्र लिछमणा
18. रामा पुत्र लिछमणा
19. पीराराम पुत्र गुमनाराम
20. भीखा पुत्र केसरा
21. श्रवण पुत्र मोटा
22. हरखू पत्नी मोटा
    जाति जाट निवासी रामजी का गोल फांटा तहसील गुड़ामालानी जिला बाड़मेर
23. अचला पुत्र रावता
24. देवाराम पुत्र रावताराम
25. आईदान पुत्र भीखाराम जाति जाट सगराणियों की बेरी
26. इमियो पत्नी भैराराम
27. उदा पुत्र दामा
28. केसा पुत्र दामा
29. तेजा पुत्र दामा
30. भीखा पुत्र दामा
31. खुमाराम पुत्र भेराराम
32. चिमाराम पुत्र भेराराम
33. गोमती पत्नी सताराम
34. चुनीदेवी पत्नी पुराराम
35. जेठीदेवी पत्नी रूपाराम जातियान जाट निवासी रामजी का गोल फांटा तहसील गुड़ामालानी
36. मोहनराम पुत्र हीराराम जाति जाट निवासी सियोलों का डेर तहसील गुड़ामालानी
37. रावताराम पुत्र उरजाराम
38. लाखाराम पुत्र पुराराम
39. लिखमाराम पुत्र पुराराम
40. हेमाराम पुत्र लिछमणाराम जाति जाट निवासी बांटा
41. हिमताराम पुत्र भीखाराम जाति जाट निवासी सगराणियों की बेरी तहसील गुड़ामालानी
42. प्रबंधक नर्मदा नहर परियोजना खण्ड रामजी गोल फांटा गुड़ामालानी
43. कालूराम पुत्र कुभाराम
44. तेजाराम पुत्र कुभाराम
45. नेनाराम पुत्र कुभाराम
46. नानगाराम पुत्र कुभाराम
47. हजारी पुत्र कुभाराम जाति दर्जी निवासी रामजी का गोल फांटा तहसील गुड़ामालानी जिला बाड़मेर
48. तहसीलदार गुड़ामालानी
49. जोरा पुत्र तेजा
50. बाला पुत्र तेजा
51. भेरा पुत्र नींबा
52. रावता पुत्र नीम्बा
53. पाबू पुत्र गोरधन

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.06.21 16:47:16 IST
Reason: SelfAttested

54. रामा पुत्र गोरधन जाति कुम्हार निवासी शिवजी का मंदिर डबोई तहसील धोरीमन्ना जिला बाड़मेर
55. भूरा पुत्र बगता
56. मोहन पुत्र बगता
57. रमेश पुत्र अचला जाति कुम्हार निवासी शिवजी का मंदिर डबोई तहसील धोरीमन्ना जिला बाड़मेर
58. रूपा पुत्र चूना
59. जोरा पुत्र जुगता
60. ताजा पुत्र जुगता
61. नरसी पुत्र जुगता
62. पुनमा पुत्र उदा
63. चेना पुत्र उदा

जाति मेगवाल निवासी शिवजी का मंदिर डबोई तहसील धोरीमन्ना जिला बाड़मेर

.... अप्रार्थी

उपस्थित अधिवक्ता
प्रार्थीः–श्री रामजीवन विश्नोई
अप्रार्थीगणः–श्री डालुराम चौधरी

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–128
राजस्थान भू–राजस्व अधि–1956

–:निर्णयः–

निर्णय तिथिः–05.06.2025

1. आज यह पत्रावली प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–128 राजस्थान भू–राजस्व अधि–1956 वास्ते निर्णय हेतु पेश हुई। प्रकरण का सुक्ष्म वृतान्त इस प्रकार से है कि प्रार्थीगण द्वारा प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन किया कि प्रार्थीगण की हाल आराजी खसरा संख्या 1019 / 865 / 0.4680 है0, 1020 / 865 / 5.0762 है0, 435 / 13.7917 है0 मौजा रामजी का गोल फांटा पटवार हल्का पीपराली तहसील गुड़ामालानी जिला बाड़मेर में स्थित है। उक्त वर्णित आराजी प्रार्थीगण की कब्जेकाश्त खातेदारी की आराजी है एवं आराजी पर प्रार्थीगण काबिज रहकर बिना किसी बाधा वो रूकावट के काश्त करते चले आ रहे है। उक्त खातेदारी आराजी से अप्रार्थीगण का कोई हक संबंध किसी प्रकार का नहीं है। अप्रार्थीगण प्रार्थीगण की आराजी के कार्यकाश्त में बाधा डालते हैं। उक्त आराजी का मौके पर सीमांकन नहीं होने से प्रार्थीगण द्वारा सीमांकन कराए जाने बाबत तहसीलदार गुड़ामालानी के यहां प्रार्थना–पत्र पेश किया। जिस पर तहसीलदार नोखड़ा के आदेश दिनांक 14.05.2024 की पालना में दिनांक 28.05.2024 को पटवारी हल्का द्वारा उक्त आराजी का सीमांकन करवाया गया। परन्तु अप्रार्थीगण मौके पर असंतुष्ट होकर पैमाईश को नहीं मान रहे है तथा प्रार्थीगण की आराजी को अपनी आराजी में मिलाना चाहते है। अब प्रार्थीगण अपनी खातेदारी आराजी की पत्थरगढ़ी दिनांक 28.05.2024 की सीमाज्ञान रिपोर्ट के अनुसार कराना चाहते है। अंत में प्रार्थना–पत्र प्रार्थीगण स्वीकार कर

Signature Not Verified
Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.06.21 16:47:16 IST
Reason: SelfAttested

आराजी उक्त की पत्थरगढ़ी मुताबिक पैमाइश के अनुसार कराए जाने के आदेश जारी करने का निवेदन किया गया।

2. प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया गया एवं अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। अप्रार्थीगण संख्या 49 ता 55 एवं 59 ता 63 असालतन—वकालतन हाजिर न्यायालय हुए। शेष अप्रार्थीगण के बावजूद विधिवत तामील अनुपस्थित होने के कारण शेष अप्रार्थीगण के विरूद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गयी। प्रकरण में अधिवक्ता अप्रार्थीगण संख्या 49 ता 55 एवं 59 ता 63 द्वारा जवाब प्रस्तुत नहीं कर सीधे बहस का निवेदन किया गया।

3. न्यायालय द्वारा विद्वान अधिवक्ता उभयपक्षकारान की बहस सुनी गई। दौराने बहस प्रार्थी अधिवक्ता द्वारा प्रार्थना—पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए प्रार्थना—पत्र प्रार्थीगण स्वीकार कर आराजी की मुताबिक पैमाइश दिनांक 28.05.2024 के अनुसार पत्थरगढ़ी के आदेश जारी करने का निवेदन किया है। दौराने बहस अप्रार्थी अधिवक्ता द्वारा निवेदन किया गया कि प्रार्थी द्वारा आवेदित आराजी की पैमाइश तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा बिना मुस्तकिल बिन्दु कायम किये हुए किये हुए की गई है। जिससे आवेदित आराजी का सीमाज्ञान नहीं होने से नेखमबंदी किया जाना सम्भव नहीं है। अतः प्रार्थी का उक्त आवेदन पोषणीय नहीं होने से काबिल—ए—खारिज है।

4. मैंने बहस प्रार्थी अधिवक्ता पर मनन किया। प्रकरण में सर्वप्रथम राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—111 का उद्धरण यहां प्रासंगिक है। जो कि इस प्रकार हैः—

> ***111. Decision of disputes as to boundaries.***—*(1) In case of any dispute concerning any boundaries the Land Records Officer shall decide such dispute, so far as possible, on the basis of the existing survey maps and, where this is not possible or such maps are not available, on the basis of actual possession.*
>
> *(2) If, in the course of an inquiry into a dispute under this section the Land Records Officer is unable to satisfy himself as to which party is in the possession or it if is shown that possession has been obtained by wrongful dispossession of the lawful occupants within a period of three months previous to the commencement of the inquiry, the Land Records Officer shall ascertain by summary inquiry who is the party best entitled to possession and shall then fix the boundary accordingly.*

5. राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—111 के अनुसार खसरों की सीमाओं के विवाद को हाल राजस्व नक्शे के अनुसार तथा हाल राजस्व नक्शे के उपलब्ध न होने पर वास्तविक कब्जे के आधार पर निस्तारित किये जाने के प्रावधान बनाये गये है। खसरों की सीमाओं के विवाद को निस्तारित करने की प्रक्रिया के सम्बन्ध में राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—128 के तहत प्रावधान बनाये गये है। अतः प्रकरण में साथ ही राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—128 का उद्धरण यहां प्रासंगिक है। जो कि इस प्रकार हैः—

Signature Not Verified
Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.06.21 16:47:16 IST
Reason: SelfAttested

> ***128. Boundary disputes. -** All disputes concerning boundaries shall be decided by the Land Record Officer in the manner laid down in section 111:*
> *Provided that applications in relation to boundaries of fields may be made to and disposed of by the Tehsildar in cases where there exists no dispute as to such boundaries but on account of the absence of proper boundary marks there is the likelihood of such a dispute arising.*

6. उक्त विधिक प्रावधानों के संदर्भ में पत्रावली पर संलग्न दस्तावेजात् जमाबंदी में राजस्व इन्द्राज एवं तहसीलदार नोखड़ा द्वारा किये गये सीमांकन रिपोर्ट का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। प्रकरण में अप्रार्थी का आक्षेप है कि तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा बिना मुस्तकिल बिन्दु कायम किये हुए आवेदित आराजी की पैमाइश की गई है। जिससे आवेदित आराजी का सीमाज्ञान नहीं होने से नेखमबंदी किया जाना सम्भव नहीं है। इस संबंध में प्रार्थी द्वारा निवेदन किया गया है कि प्रार्थी द्वारा तहसीलदार गुड़ामालानी के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया। जिसके संबंध में हल्का पटवारी द्वारा दिनांक 28.05.2025 को आवेदित आराजी की पैमाइश की गई है। अतः प्रार्थी का आवेदन किसी भी विधि से वर्जित नहीं होने के कारण स्वीकार योग्य है। प्रकरण में पत्रावली के अवलोकन से ज्ञात होता है कि प्रकरण में प्रार्थीगण द्वारा तहसीलदार गुड़ामालानी को आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिसमें तहसीलदार गुड़ामालानी के आदेश की पालना में हल्का पटवारी पीपराली द्वारा दिनांक 28.05.2025 को मौके पर जाकर प्रार्थीगण की आराजी की पैमाईश कर बिन्दु कायम किये गये हैं। उक्त पैमाइश के दौरान माप को लेकर विवाद होने के कारण पैमाइश कार्यवाही पूर्ण नहीं हो सकी। इस प्रकार प्रकरण में अप्रार्थी का उक्त आक्षेप निराधार प्रतीत होता है।
7. प्रकरण में बाद अवलोकन पाया गया कि पत्रावली पर उपलब्ध राजस्व रिकॉर्ड के अंकित इन्द्राज के अनुसार उक्त आराजी प्रार्थीगण की सालिम खातेदारी की आराजी होना साबित है। साथ ही संलग्न रिपोर्ट पैमाइश दिनांक 28.05.2024 से भी यह तथ्य प्रार्थीगण साबित है कि प्रार्थीगण द्वारा तहसीलदार गुड़ामालानी के माध्यम से हल्का पटवारी से युक्त वर्णित आराजी की पैमाइश कराई जा चुकी है। सीमाज्ञान रिपोर्ट में पटवारी हल्का द्वारा मौके पर मुस्तकिल बिन्दु मानकर सीमाज्ञान किया। मौके पर प्रार्थीगण को सीमाचिहृन बताकर प्रार्थीगण को संतुष्ट किया गया है। तहसीलदार रिपोर्ट के अनुसार उक्त वर्णित आराजी की खसरे की सीमाओं को लेकर अप्रार्थीगण के साथ सीमा विवाद है। इस प्रकार प्रार्थीगण की अपनी कब्जेशुदा खातेदारी आराजी की सुरक्षा तथा सीमा विवाद के निस्तारण हेतु पत्थरगढ़ी के प्रार्थना पत्र को स्वीकार किया जाकर आदेश जारी किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः

आदेश है कि

प्रार्थना–पत्र प्रार्थीगण अंतर्गत धारा–128 भू–राजस्व अधिनियम–1956 के बाबत् पत्थरगढ़ी किये जाने का स्वीकार किया जाता है। हाल आराजी खसरा संख्या 1019/865/0.4680 है0, 1020/865/5.0762 है0, 435/13.7917 है0 मौजा रामजी का गोल फांटा पटवार हल्का पीपराली तहसील गुड़ामालानी पर प्रार्थीगण एवं संबंधित पक्षकारों/हितधारकों की पूर्व सूचित उपस्थिति में खातेदारी आराजी पर मुताबिक सीमाज्ञान

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.06.21 16:47:16 IST
Reason: SelfAttested

पत्थरगढ़ी कर सीमा निर्धारण किये जाने के आदेश तहसीलदार गुड़ामालानी को दिये जाते हैं एवं साथ ही निर्देश दिये जाते हैं कि अप्रार्थीगण को मौके पर उपस्थित रहने बाबत जरिये नोटिस पूर्वसूचित करते हुए पत्थरगढ़ी की जाकर पालना रिपोर्ट न्यायालय को अवगत करायें। पक्षकार अपना—अपना खर्चा स्वयं वहन करेंगे।

आदेश प्रति पालनार्थ हेतु तहसीलदार गुड़ामालानी को भिजवाई जावें। अहकाम पृथक से जारी किया जावे।

यह आदेश मेरे द्वारा आज दिनांक 05.06.2025 को लिखवाया जाकर सरे—इजलास सुनाया जाकर हस्ताक्षर व मोहर युक्त जारी किया गया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)
उपखण्ड अधिकारी
गुढामालानी (बाड़मेर)

कार्यालय सहायक कलक्टर / उपखंड अधिकारी
सत्यमेव जयते
गुढ़ामालानी

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.06.21 16:47:16 IST
Reason: SelfAttested